SYLLABUS FOR

THE FOUR-YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMME (FYUP)

SEMESTER- 1,3,5,7

As per provision of NEP-2020
Implemented from Academic Year 2022 onwards

DEPARTMENT

OF

SANSKRIT

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE,

RAJNANDGAON (C.G.)

2025-26

SYLLABUS OF 4 YEARS UG PROGRAM (FYUP)

AS PER NEP 2020

(GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON)

B.A. (Multiple Major)

SUBJECT - SANSKRIT(SEMESTER I - VIII)

Session - 2025-26

	SEMESTER	COURSE TYPE	COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT	Max marks	ESE	IA
FIRST YEAR	I	DSC	SNSC-01	नाटक, व्याकरण और भाषाकौशल	4	100	70	30
		GE	SNGE -01	नाटक, व्याकरण और भाषाकौशल	4	100	70	30
		VAC	SNVAC-01	संभाषण कौशल	2	50	35	15
	II	DSC	SNSC - 02	प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य	4	100	70	30
		GE	SNGE - 02	प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य	4	100	70	30
SECOND YEAR	III	DSC	SNSC- 01	नाटक तथा व्याकरण	4	100	70	30
		DSE	SNSE- 01	व्याकरण अनुवाद तथा व्याकरण शास्त्र का इतिहास	4	100	70	30
	IV	DSC	SNSC- 04	कथा तथा साहित्येतिहास	4	100	70	30
		DSE	SNSE- 02	भारतीय संस्कृति	4	100	70	30
		SEC	SNSC- 01	भारतीय रंगमंच	2	50	35	15
THIRD YEAR	V	DSC		वैदिक साहित्य का इतिहास	4	100	80	20
		DSE-I		वेद	4	100	80	20
		DSE-II		व्याकरण एवं व्याकरण शास्त्र का इतिहास	4	100	80	20
		SEC		योग के मूलभूत तत्व	2	50	40	10
	VI	DSC		लौकिक साहित्य का इतिहास	4	100	80	20
		DSE-I		भाषाविज्ञान	4	100	80	20
		DSE-II		काव्य	4	100	80	20
		SEC		प्रोजेक्ट	2	50	40	10

SYLLABUS OF 4 YEARS UG PROGRAM (FYUP)

AS PER NEP 2020

(GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON)

B.A.(Honours)

SUBJECT - SANSKRIT(SEMESTER VII - VIII)

Session - 2025-26

	SEMESTER	COURSE TYPE	COURSE CODE	COUSE TITLE	CREDIT	Max marks	ESE	IA
OURTH YEAR	VII	DSC		वैदिक भाषा साहित्यं च	4	100	70	30
		GE		व्याकरणं भाषा विज्ञानं च	4	100	70	30
		DSE		दर्शनम्	4	100	70	30
		DSE		साहित्यशास्त्रम्	4	100	70	30
		DSE		सामान्य संस्कृत	4	100	70	30
	VIII	DSC		वैदिक भाषा साहित्यं च	4	100	70	30
		DSE		व्याकरणं भाषा विज्ञानं च	4	100	70	30
		DSE		दर्शनम्	4	100	70	30
		DSE		साहित्यशास्त्रम्	4	100	70	30
		DSE		काव्यम्	4	100	70	30

B.A.(Honours With Research)

	SEMESTER	COURSE TYPE	COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT	Max marks	ESE	IA
RTH AR	VII	DSC		वैदिक भाषा साहित्यं च	4	100	70	30
		DSE		व्याकरणं भाषा विज्ञानं च	4	100	70	30
		DSE		दर्शनम्	4	100	70	30
		DSE		साहित्यशास्त्रम्	4	100	70	30
		GE		सामान्य संस्कृत	4	100	70	30
	VIII	DSC		वैदिक भाषा साहित्यं च	4	100	70	30
		DSE	Any One	व्याकरणं भाषा विज्ञानं च	4	100	70	30
		DSE		दर्शनम्	4	100	70	30
		DSE		साहित्यशास्त्रम्	4	100	70	30
		DSE		काव्यम्	4	100	70	30
				DESSERTATION	12	300		

SYLLABUS OF 4 YEARS UG PROGRAM (FYUP)
AS PER NEP 2020
(GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON)

B.A. (Multiple Major) - DIPLOMA COURSE
SUBJECT - SANSKRIT(SEMESTER- I AND II)
Session - 2025-26

	SEMESTER	COURSE TYPE	COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT	Max marks	ESE	IA
IRST EAR	I	DSC	SNSC – 01	नाटक, व्याकरण और भाषाकौशल	4	100	70	30
		GE	SNGE – 01	नाटक, व्याकरण और भाषाकौशल	4	100	70	30
		VAC	SNVAC – 01	संभाषण कौशल	2	50	35	15
	II	DSC	SNSC – 02	प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य	4	100	70	30
		GE	SNGE – 02	प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य	4	100	70	30

Assessment and Evaluation	
Maximum Marks	100 Marks
Minimum Marks	40%
Continuous Internal Assessment(CIA)	30 Marks
End Semester Exam(ESE)	70 Marks

Continuous Internal Assessment(CIA)	
Internal Test/Quiz-(2):20 & 20 Assignment/Seminar- 10 Total Marks- 30	Average marks out of the two Test /Quiz + Obtained marks in Assignment shall be considered against 30 marks

End Semester Exam(ESE)				
Section	Maximum Marks (70)		Maximum Marks (35)	
A	10 x 1 = 10	Objective type questions consisting 10 questions of 1 marks.	7 x 1 = 07	Objective type questions consisting 07 questions of 1 marks.
B	4 x 5 = 20	Short answer type questions consisting 4 questions of 5 marks each, one question from each unit with internal choice.	4 x 3 = 12	Short answer type questions consisting 4 questions of 3 marks each, one question from each unit with internal choice.
C	4 x 10 = 40	long answer (Descriptive) type questions consisting 4 questions of 10 marks each, one question from each unit with internal choice	4 x 4 = 16	long answer (Descriptive) type questions consisting 4 questions of 10 marks each, one question from each unit with internal choice

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

PART-A: Introduction				
Program : Bachelor in Sanskrit (Certificate)		Semester- 01		Session 2025-26
1	Course Code	SNSC – 01		
2	Course Title	नाटक, व्याकरण और भाषाकौशल		
3	Course Type	DSC		
4	Pre-requisite (if any)	As per Government norms		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	• प्राचीन नाट्यसाहित्य के अनुशीलन से तत्कालीन समाज तथा लोक-व्यवहार एवं भाषा आदि का ज्ञान होगा। • मानवीय जीवन मूल्य, संवेदनाओं तथा गुणों को आत्मसात करने की प्रेरणा मिलेगी। • विश्वस्वीकृत सर्वश्रेष्ठ व्याकरण शास्त्र की विशेषताओं से परिचय होगा। • वर्णमाला की गहन जानकारी पूर्वक शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा। • शब्दों के आधिकारिक ज्ञान के साथ संभाषण एवं लेखन में दक्षता प्राप्त होगी।		
6	Credit Value	04 Credits	Credit = 15 Hours- learning & Observation	
7	Total Marks	Max. Marks :100	Min. Passing Marks :40	

PART – B Content of the Course		
Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60 Periodes (60 Hours)		
Unit	Topic (Course Contents)	No. of Periods
I	संस्कृतनाटक परिचय - स्वप्नवासवदत्तम्– प्रथम से चतुर्थ अंक पर्यन्त। (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
II	स्वप्नवासवदत्तम्– पंचम अंक से समाप्ति पर्यन्त। (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
III	संस्कृतसंभाषण तथा लेखन - (निम्नलिखित अनुसार शिक्षण केन्द्रित होगा।) • सुबन्त (शब्दरूप) - देव, गति, भानु, पितृ, करिन्, भवत्, कर्तृ, आत्मन्, लता, मति, नदी, मातृ, फल, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, अस्मद्, युष्मद्, एक, द्वि, त्रि, चतुर्। • तिङन्त (धातुरूप) - भ्वादि, दिवादि, तुदादि, चुरादि, इन चार गणों के धातुओं के लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् लकारों के रूप एंव अस् और कृ धातु के उक्त लकारों के रूप। • अव्यय- अत्र, यत्र, तत्र, कुत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, एकत्र, अधुना, इदानीम्, अद्य, श्वः, परश्वः, ह्यः,परह्यः,आम्,न, पुरतः, पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, उपरि, अधः, यदा,तदा, कदा, सदा, सर्वदा, किम्, कुतः, कति, किमर्थम्, अतः।	15
IV	प्रत्याहार, संज्ञा, सन्धि (लघुसिद्धान्तकौमुदी से परिचय अध्येतव्य)	15

PART – C : Learning Resources

Text Books Recommended –

1. स्वप्नवासवदत्तम् – श्री तारिणीश झा, प्रकाशक, रामनारायण बेनीमाधव, इलाहाबाद
2. स्वप्नवासवदत्तम्– वासुदेवकृष्ण चतुर्वेदी, प्रकाशक, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
3. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. अनुवाद चन्द्रिका –डा. यदुनन्दन मिश्र,प्रकाशक, चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली
6. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें – उमाकान्त मिश्र शास्त्री, प्रकाशक - भारतीभवन
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्री महेश सिंह कुशवाह, प्रकाशक, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी – रामविलास चौधरी, प्रकाशक, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
9. रूपचन्द्रिका – ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, प्रकाशक, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
10. संस्कृतस्य व्यावहारिकस्वरूपम् – डा. नरेन्द्र, प्रकाशक, श्री अरविन्द आश्रम

Name and Signature of Members of BoS :

क्र.	सदस्य	हस्ताक्षर
1	डॉ. ललित प्रधान	
2	डॉ. सुमन सिंह बघेल	
3	डॉ. सुषमा तिवारी	
4	डॉ. हेमंत शर्मा	
5	डॉ. फागेश्वर साहू	

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

PART-A: Introduction				
Program : Bachelor in Sanskrit (Certificate)		Semester- 01		Session 2025-26
1	Course Code	SNGE – 01		
2	Course Title	नाटक, व्याकरण और भाषाकौशल		
3	Course Type	GE		
4	Pre-requisite (if any)	As per Government norms		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	• प्राचीन नाट्यसाहित्य के अनुशीलन से तत्कालीन समाज तथा लोक-व्यवहार एवं भाषा आदि का ज्ञान होगा। • मानवीय जीवन मूल्य, संवेदनाओं तथा गुणों को आत्मसात् करने की प्रेरणा मिलेगी। • विश्वस्वीकृत सर्वश्रेष्ठ व्याकरणशास्त्र की विशेषताओं से परिचय होगा। • वर्णमाला की गहन जानकारी पूर्वक शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा। • शब्दों के आधिकारिक ज्ञान के साथ संभाषण एवं लेखन में दक्षता प्राप्त होगी।		
6	Credit Value	04 Credits	Credit = 15 Hours- learning & Observation	
7	Total Marks	Max. Marks :100		Min. Passing Marks :40

PART – B Content of the Course		
Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60 Periodes (60 Hours)		
Unit	Topic (Course Contents)	No. of Periods
I	संस्कृतनाटक परिचय - स्वप्नवासवदत्तम्– प्रथम से चतुर्थ अंक पर्यन्त। (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
II	स्वप्नवासवदत्तम्– पंचम अंक से समाप्ति पर्यन्त। (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
III	संस्कृतसंभाषण तथा लेखन - (निम्नलिखित अनुसार शिक्षण केन्द्रित होगा।) • सुबन्त (शब्दरूप) - देव, गति, भानु, पितृ, करिन्, भवत्, कर्तृ, आत्मन्, लता, मति, नदी, मातृ, फल, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्,अस्मद्, युष्मद्, एक, द्वि, त्रि, चतुर्। • तिङन्त (धातुरूप)- भ्वादि, दिवादि, तुदादि, चुरादि, इन चार गणों के धातुओं के लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् लकारों के रूप एव अस् और कृ धातु के उक्त लकारों के रूप। • अव्यय- अत्र, यत्र, तत्र, कुत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, एकत्र, अधुना, इदानीम्, अद्य, श्वः, परश्वः, ह्यः,परह्यः,आम्,न, पुरतः, पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, उपरि, अधः, यदा,तदा, कदा, सदा, सर्वदा, किम्, कुतः, कति, किमर्थम्, अतः।	15
IV	प्रत्याहार, संज्ञा, सन्धि (लघुसिद्धान्तकौमुदी से परिचय अध्येतव्य)	15

PART – C : Learning Resources

Text Books Recommended –

1. स्वप्नवासवदत्तम् – श्री तारिणीश झा, प्रकाशक, रामनारायण बेनीमाधव, इलाहाबाद
2. स्वप्नवासवदत्तम्– वासुदेवकृष्ण चतुर्वेदी, प्रकाशक, महालक्ष्मीप्रकाशन, आगरा
3. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. अनुवाद चन्द्रिका – डा. यदुनन्दन मिश्र, प्रकाशक, चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली
6. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें – उमाकान्तमिश्र शास्त्री, प्रकाशक, भारतीभवन
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्री महेशसिंह कुशवाह, प्रकाशक, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी – रामविलास चौधरी, प्रकाशक, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
9. रूपचन्द्रिका – ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, प्रकाशक, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
10. संस्कृतस्य व्यावहारिकस्वरूपम् – डा. नरेन्द्र, प्रकाशक, श्री अरविन्द आश्रम

Name and Signature of Members of BoS :

क्र.	सदस्य	हस्ताक्षर
1	डॉ. ललित प्रधान	
2	डॉ. सुमन सिंह बघेल	
3	डॉ. सुषमा तिवारी	
4	डॉ. हेमंत शर्मा	
5	डॉ. फागेश्वर साहू	

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

PART-A: Introduction				
Program : Bachelor in Sanskrit (Certificate)		Semester- 01		Session 2025-26
1	Course Code	SNVAC – 01		
2	Course Title	संभाषण कौशल		
3	Course Type	VAC		
4	Pre-requisite (if any)	As per Government norms		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	• संस्कृत संभाषण में दक्ष एवं निपुण होंगे, जिससे विद्यार्थियों की भाषा के अध्ययन और ज्ञान में अनायास वृद्धि होगी। • संस्कृतसंभाषण से भाषा और संस्कृति के प्रति स्वाभिमान उत्पन्न होगा। • भाषा कौशल का विकास विद्रद्यर्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा। • प्रतियोगी परीक्षाओं तथा साक्षात्कार आदि में विद्यार्थियों के कौशल की वृद्धि होगी। • संस्कृत उच्चारण से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा ।		
6	Credit Value	02 Credits	Credit = 15 Hours- learning & Observation	
7	Total Marks	Max. Marks : 50		Min. Passing Marks : 20

PART – B Content of the Course		
Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 30 Periodes (30 Hours)		
Unit	Topic (Course Contents)	No. of Periods
I	परिचय • मम नाम, भवतः नाम किम् इत्यादि । सर्वनाम एवं अव्यय प्रयोग - • सः। सा। तत्। एषः । एषा। एतत् । अहम् । भवान्। भवती। आम्। न। वा। किम् । अस्ति। नास्ति । अत्रि। तत्र। कुत्र। सर्वत्र। अन्यत्र। एकत्र । • आवश्यम्। मास्तु । पर्याप्तम्। धन्यवादः । स्वागतम् । षष्ठी विभक्ति का प्रयोग - • तस्य । एतस्य। कस्य • तस्याः । एतस्याः । कस्याः। मम। भवतः । भवत्याः । क्रियापद प्रयोग - • गच्छति। आगच्छति। पठति। लिखति । खादति। पिबति। क्रीडति । वदति। उत्तिष्ठति। उपविशति । गच्छामि। आच्छामि। गच्छतु। आगच्छतु । संख्या अभ्यास - • 1,2,3,4,5,6,7,8,9,10 • 10,20,30,40,50,60,70,80,90,100	08

	समय अभ्यास - • 5:00, 5:15, 5:30, 4:45 (सपाद, पादोन, सार्द्ध, वादनम्)	
II	क्रियापद वहुवचन प्रयोग - • गच्छन्ति गच्छामः । गच्छन्तु। पिबन्ति । पिबामः । पिबन्तु । लिखन्ति । लिखामः। लिखन्तु । ... इत्यादिपरिवर्तनाभ्यासः । द्वितीया विभक्ति अभ्यास - • ग्रंथः, घटी, छात्रा। ग्रंथं ददातु, घटीं ददातु इत्यादिवत् । • पुरतः । पृष्ठतः । वामतः । दक्षिणतः उपरि । अधः । इतः । ततः ।..... तः। गृहतः । कुतः । • कथम्? सम्यक्। शीघ्र मंदम्। उच्चैः शनैः। पठनार्थम्, किमर्थम् । सप्तककार - • किम्। कुत्र। कति। कदा। कुतः। कथं। किमर्थम्। एकैकम् उपयुज्य परस्परं प्रश्नाः। अपि। अस्तु। अहं न जानामि।... कानिचन वाक्यानि	07
III	भूतकालीन क्रियापद पाठन - • गतवान् - पठितवान् लिखितवान् गतवती- पठितवती लिखितवती । विशिष्ट क्रियापद अभ्यास - • करोमि कुर्मः। करोति कुर्वन्ति। ददामि दमः। ददाति ददति। शृणोमि शृण्मः। श्रृणोति श्रृण्वन्ति। जानामि जानीमः। जानाति जानन्ति । संबोधन - • भो। श्रीमन् । मान्ये। मानिन्। मित्र। महोदय, राम, सीते। इत्यादि। संख्या - • 21 से 50 तक • समय 1:00, 2:00, 3:00, 4:00 एतेषां वाक्यानाम् उपयोगेन वाक्यानि वाचनीयानि - • अतः इति। अस्मि, यदि तहि, यथा, तथा। पर्यन्तम्। क्तवतु प्रत्यय- • गतवन्तः पठितवन्तः लिखितवन्तः । गतवत्यः पठित्वत्यः- लिखितवत्यः । लिंग परिवर्तन अभ्यास- • सःगतवान्, सा गतवती। अहं गतवान्, अहं गतवती। काल परिवर्तन अभ्यास- • गच्छति गतवान् गतवती । विशेष पाठन - • आसीत् । आसन्। आसम् ।	08

	तृतीया विभक्ति - • दंडेन। मापिकया। लेखन्या। पुष्येण । सह। विना। अद्यतन। ह्यस्तन। श्वस्तन। पूर्वतन। इदानींतन। भविष्यत्कालीनपद पाठन -	
IV	निम्नलिखितानां शब्दानां प्रयोगः - • नूतनम्, पुरातनम्, बहु, किंचित्। दीर्घः, स्वः, उन्नतः, वामनः, स्थूलः, कृशः। तुमुन् प्रत्यय - • पठितुं। लिखितुम्। किंतु । निश्चयेन। बहुशः । प्रायशः। किल, खलु । शक्नोति क्रिया का प्रयोग - विशेषणविशेष्यभाव का अभ्यास- • सः उत्तमः बालकः। सा उत्तमा बालिका। तत् उत्तमं पुस्तकम् वाक्य विस्तार अभ्यास - • सः मम पुस्तकं प्रातःकाले पञ्चवादने पठितवान्। इतः पूर्वम्, इतः परम्। क्त्वा, तुमुन्परिवर्तनाभ्यासः – बहिः अंतः। रिक्तम् पूर्णम् । इतोऽपि। चेत् - नोचेत्। संख्या-71 से 100 तक अतः यतः परिवर्तनाभ्यासः। यद्यपि तथापि। यत्र-तत्र। कति-कियत्। एतयोःभेद ज्ञापनम् । यावत् - तावत्। यत्-तत्। यः- सः। या - सा। अस्माकम्। चित्..... द्वयम् (पुस्तकद्वयं, बालकद्वयम्) लिंगभेदः – • एकः, एका, एकम् । • द्वौ, द्वे, द्वे। • त्रयः,तिस्रः,त्रीणि। • चत्वारः, चतस्रः,चत्वारि । अर्थम् - समाजार्थम्, संस्कृतार्थम् तव्यत् - अनीयर् प्रत्यय का प्रयोग कुत्र गंतव्यम्। अद्य किं किं करणीयम् ?	07

PART – C : Learning Resources
Text Books Recommended –
1. अभ्यासदर्शिनी- श्री जनार्दन हेगडे, संस्कृत भारती, बंगलुरु

Name and Signature of Members of BoS :

क्र.	सदस्य	हस्ताक्षर
1	डॉ. ललित प्रधान	
2	डॉ. सुमन सिंह बघेल	
3	डॉ. सुषमा तिवारी	
4	डॉ. हेमंत शर्मा	
5	डॉ. फागेश्वर साहू	

SYLLABUS OF 4 YEARS UG PROGRAM (FYUP)
AS PER NEP 2020
(GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON)

B.A. (Multiple Major) - DIPLOMA COURSE
SUBJECT - SANSKRIT(SEMESTER- I AND II)
Session - 2025-26

	SEMESTER	COURSE TYPE	COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT	Max marks	ESE	IA
	I	DSC	SNSC – 01	नाटक, व्याकरण और भाषाकौशल	4	100	70	30
		GE	SNGE – 01	नाटक, व्याकरण और भाषाकौशल	4	100	70	30
ST AR		VAC	SNVAC – 01	संभाषण कौशल	2	50	35	15
	II	DSC	SNSC – 02	प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य	4	100	70	30
		GE	SNGE – 02	प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य	4	100	70	30

Assessment and Evaluation	
ximum Marks	100 Marks
imum Marks	40%
ntinuous Internal Assessment(CIA)	30 Marks
d Semester Exam(ESE)	70 Marks

Continuous Internal Assessment(CIA)	
ernal Test/Quiz-(2):20 & 20 signment/Seminar- 10 al Marks- 30	Average marks out of the two Test /Quiz + Obtained marks in Assignment shall be considered against 30 marks

End Semester Exam(ESE)				
ction	**Maximum Marks (70)**		**Maximum Marks (35)**	
A	10 x 1 = 10	Objective type questions consisting 10 questions of 1 marks.	7 x 1 = 07	Objective type questions consisting 07 questions of 1 marks.
B	4 x 5 = 20	Short answer type questions consisting 4 questions of 5 marks each, one question from each unit with internal choice.	4 x 3 = 12	Short answer type questions consisting 4 questions of 3 marks each, one question from each unit with internal choice.
C	4 x 10 = 40	long answer (Descriptive) type questions consisting 4 questions of 10 marks each, one question from each unit with internal choice	4 x 4 = 16	long answer (Descriptive) type questions consisting 4 questions of 10 marks each, one question from each unit with internal choice

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

PART-A: Introduction				
Program : Bachelor in Sanskrit (Certificate)		Semester- 02		Session 2025-26
1	Course Code	SNSC – 02		
2	Course Title	प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य		
3	Course Type	DSC		
4	Pre-requisite (if any)	As per Government norms		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	• विश्व के प्राचीनतम तथा भारत के ज्ञानागारभूत ग्रन्थ ऋग्वेद तथा अन्य वैदिक, पौराणिक साहित्य के अनुशीलन से प्राचीनज्ञान-सम्पदा का बोध होगा। • वैदिक साहित्य में प्रतिपादित विश्वबन्धुत्व, सर्वात्मभाव तथा समत्व चिन्तन के उच्च आदर्शों से मानवीय सद्गुणों का आधान एवं विकास होगा। • उपदेशात्मक ग्रन्थ से नैतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान की लब्धि होगी। • ज्ञानार्जन के साथ उच्चारण एवं भाषिक क्षमता में अभिवृद्धि होगी। • आधुनिक युग की संस्कृत रचनाओं की जानकारी प्राप्त होगी।		
6	Credit Value	04 Credits	Credit = 15 Hours - learning & Observation	
7	Total Marks	Max. Marks : 100		Min. Passing Marks : 40

PART – B Content of the Course		
Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60 Periodes (60 Hours)		
Unit	Topic (Course Contents)	No. of Periods
I	वैदिक एवं पौराणिक साहित्य - वेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदांगों एवं पुराणों का संक्षिप्त परिचय	15
II	शुकनासोपदेश- व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न	15
III	हितोपदेश (मित्रलाभ) - व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न	15
IV	आधुनिक संस्कृतकवि परिचय - अप्पाशास्त्री राशीवडेकर, पंडिता क्षमाराव, जगन्नाथपाठक, श्रीनिवासरथ, जानकीवल्लभ शास्त्री, वेंकटराम राघवन, अभिराज राजेंद्रमिश्र, डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, हर्षदेव माधव, डॉ. रेवाप्रसाद द्विवेदी, डॉ. पुष्पा दीक्षित, डॉ. कामताप्रसाद त्रिपाठी	15

PART – C : Learning Resources

Text Books Recommended –

1. ऋक्सूक्तसंग्रह – तारिणीश झा, प्रकाशक,प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
2. ऋग्वेदसंहिता - श्रीमन्मोक्षमूलर भट्ट, प्रकाशक, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
3. शुक्लयजुर्वेद संहिता - श्रीरामकृष्ण शास्त्री, प्रकाशक, चौखम्बा विद्याभवन वारासी
4. पुराण-विमर्श – आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. वैदिकसाहित्यस्येतिहासः – डा. राजधर मिश्रः, प्रकाशक, श्याम प्रकाशन, जयपुर
6. वैदिकसाहित्य और संस्कृति – आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक, शारदा मन्दिर, काशी
7. वैदिकसाहित्य और संस्कृति – वाचस्पति गैरोला, प्रकाशक, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
8. संस्कृतसाहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
9. संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – डा. कपिलदेव द्विवेदी
10. शुकनासोपदेश – प्रकाशक, मोतीलालबनारसीदास, वाराणसी
11. हितोपदेश (मित्रलाभ) - प्रकाशक, मोतीलालबनारसीदास, वाराणसी
12. हितोपदेश (मित्रलाभ) - आचार्य श्रीशेषराज शर्मा रेग्मी,प्रकाशक, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
13. हितोपदेश - नारायणराम आचार्य तीर्थ, प्रकाशक, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
14. नवस्पन्द – सम्पादक, डा. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रकाशक, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

Name and Signature of Members of BoS :

क्र.	सदस्य	हस्ताक्षर
1	डॉ. ललित प्रधान	
2	डॉ. सुमन सिंह बघेल	
3	डॉ. सुषमा तिवारी	
4	डॉ. हेमंत शर्मा	
5	डॉ. फागेश्वर साहू	

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

PART-A: Introduction				
Program : Bachelor in Sanskrit (Certificate)		Semester- 02		Session 2025-26
1	Course Code	SNGE – 02		
2	Course Title	प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य		
3	Course Type	GE		
4	Pre-requisite (if any)	As per Government norms		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	• विश्व के प्राचीनतम तथा भारत के ज्ञानागारभूत ग्रन्थ ऋग्वेद तथा अन्य वैदिक, पौराणिक साहित्य के अनुशीलन से प्राचीनज्ञान-सम्पदा का बोध होगा। • वैदिक साहित्य में प्रतिपादित विश्वबन्धुत्व, सर्वात्मभाव तथा समत्व चिन्तन के उच्च आदर्शों से मानवीय सद्गुणों का आधान एवं विकास होगा। • उपदेशात्मक ग्रन्थ से नैतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान की लब्धि होगी। • ज्ञानार्जन के साथ उच्चारण एवं भाषिक क्षमता में अभिवृद्धि होगी। • आधुनिक युग की संस्कृत रचनाओं की जानकारी प्राप्त होगी।		
6	Credit Value	04 Credits	Credit = 15 Hours - learning & Observation	
7	Total Marks	Max. Marks : 100		Min. Passing Marks : 40

PART – B Content of the Course		
Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60 Periodes (60 Hours)		
Unit	Topic (Course Contents)	No. of Periods
I	वैदिक एवं पौराणिक साहित्य - वेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदांगों एवं पुराणों का संक्षिप्त परिचय	15
II	शुकनासोपदेश- व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न	15
III	हितोपदेश (मित्रलाभ) व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न	15
IV	आधुनिक संस्कृतकवि-परिचय - अप्पाशास्त्री राशीवडेकर, पंडिता क्षमाराव, जगन्नाथपाठक, श्रीनिवासरथ, जानकीवल्लभ शास्त्री, वेंकटराम राघवन, अभिराज राजेंद्रमिश्र, डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, हर्षदेव माधव, डॉ.रेवाप्रसाद द्विवेदी, डॉ.पुष्पा दीक्षित, डॉ.कामताप्रसाद त्रिपाठी	15

PART – C : Learning Resources

Text Books Recommended –

1. ऋक्सूक्तसंग्रह – तारिणीश झा, प्रकाशक, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
2. ऋग्वेदसंहिता - श्रीमन्मोक्षमूलर भट्ट, प्रकाशक, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
3. शुक्लयजुर्वेद संहिता - श्रीरामकृष्ण शास्त्री, प्रकाशक, चौखम्बा विद्याभवन वारासी
4. पुराणविमर्श – आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. वैदिकसाहित्यस्येतिहासः – डा. राजधर मिश्रः, प्रकाशक, श्याम प्रकाशन, जयपुर
6. वैदिकसाहित्य और संस्कृति – आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक, शारदा मन्दिर, काशी
7. वैदिकसाहित्य और संस्कृति – वाचस्पति गैरोला, प्रकाशक,चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
8. संस्कृतसाहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
9. संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – डा. कपिलदेव द्विवेदी
10. शुकनासोपदेश – प्रकाशक, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
11. हितोपदेश (मित्रलाभ) - प्रकाशक, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
12. हितोपदेश (मित्रलाभ) - आचार्य श्रीशेषराज शर्मा रेग्मी,प्रकाशक, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन,वाराणसी
13. हितोपदेश - नारायणराम आचार्य तीर्थ, प्रकाशक,चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
14. नवस्पन्दसम्पादक – डा. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रकाशक, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

Name and Signature of Members of BoS :

क्र.	सदस्य	हस्ताक्षर
1	डॉ. ललित प्रधान	
2	डॉ. सुमन सिंह बघेल	
3	डॉ. सुषमा तिवारी	
4	डॉ. हेमंत शर्मा	
5	डॉ. फागेश्वर साहू	